भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
बायोटेक्नोलॉजी विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4426
उत्तर देने की तारीख: 30 मार्च, 2022

जनशक्ति के प्रशिक्षण हेतु सुविधाएं

4426. **श्री गोपाल शेट्टी:**

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जनशक्ति के प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध सुविधाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ख) सरकार द्वारा जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर
विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी), एक समेकित मानव संसाधन विकास कार्यक्रम लागू कर रहा है जिसके तहत स्टार कॉलेज योजना में अवर स्नातक (यूजी) विज्ञान छात्रों को जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन करना है, डीबीटी-स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम के तहत देश के 70 विश्वविद्यालयों/संस्थानों में एमएससी/एम.टेक. पाठ्यक्रमों का समर्थन कर रहा है। विभाग कौशल विज्ञान कार्यक्रम के तहत बी.टेक./एम.एससी./एम.टेक के जैव प्रौद्योगिकी के छात्रों के बीच कौशल अंतरों को पूरा करने और रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, मौजूदा संकाय और वैज्ञानिकों को जैव प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में उनके कौशल को उन्नत करने के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से पुन: प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त, क्रमशः डीबीटी-कनिष्ठ शोध अध्येतावृति (डीबीटी-जेआरएफ) और डीबीटी- अनुसंधान एसोसिएटशिप (डीबीटी-आरए) कार्यक्रमों के तहत पीएचडी और पोस्ट-डॉक्टरल फेलोशिप द्वारा उन्नत अनुसंधान प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। विभाग ने जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में विश्वविद्यालयों/संस्थानों को उन्नत अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए अकादमिक विश्वविद्यालय अनुसंधान संयुक्त सहयोग का उपयोग करने के लिए वैज्ञानिक अवसंरचना पहुंच (डीबीटी-सहज) कार्यक्रम आरंभ किया। विभाग, डीबीटी-सहज कार्यक्रम के माध्यम से, जैव प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान से जुड़े विश्वविद्यालयों/संस्थानों में नए अथवा मौजूदा

अनुसंधान संसाधनों/सेवा सुविधाओं और प्लेटफार्मों के उन्नयन के लिए सहायता प्रदान करता है। डीबीटी-सहज कार्यक्रम के तहत समर्थित संस्थान भी जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

(ख) विभाग ने विदेशी प्रयोगशालाओं में काम कर रहे भारतीय वैज्ञानिकों को भारत लौटने के लिए प्रोत्साहित करने और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान करने का अवसर प्रदान करने के लिए रामालिंगास्वामी पुन:प्रवेश अध्येतावृति कार्यक्रम की शुरूआत की है। जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाली जनशक्ति की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए, विभाग ने 2020-21 में डीबीटी के स्वायत्तशासी संस्थानों में पोस्ट-डॉक्टरल प्रशिक्षण के लिए एक नया कार्यक्रम- एमके भान युवा- शोधार्थी अध्येतावृति कार्यक्रम (एमके भान-वाईआरएफपी) शुरू किया है। यह डीबीटी-जेआरएफ, डीबीटी-आरए और डीबीटी-सहज कार्यक्रमों के अतिरिक्त है, जिसका उद्देश्य भी राष्ट्रीय स्तर पर जैव प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण और प्रशिक्षित जनशक्ति प्रदान करना है।

****